



भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi

Website : www.rbi.org.in

ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in



संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई-400001

Department of Communication, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai-400001 फोन/Phone: 022- 22660502

31 मार्च 2023

विदेशी प्रत्यक्ष निवेश कंपनियों का वित्त, 2021-22

आज, भारतीय रिज़र्व बैंक ने 2,206 कंपनियों, जिन्होंने 2019-20 से 2021-22 तक तीन लेखा वर्षों के लिए भारतीय लेखा मानक (इंड-एएस) प्रारूप में रिपोर्ट किया, के लेखापरीक्षित वार्षिक लेखा के आधार पर 2021-22 के दौरान भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) कंपनियों के वित्तीय कार्यनिष्पादन से संबंधित आंकड़े¹ (https://dbie.rbi.org.in/DBIE/dbie.rbi?site=statistics#12_46) जारी किए।

इन कंपनियों की चुकता पूंजी (पीयूसी) 5,04,271 करोड़ रुपये थी, जो भारतीय प्रत्यक्ष निवेश कंपनियों की विदेशी देयताओं और परिसंपत्तियों की रिज़र्व बैंक की वार्षिक गणना के 2021-22 दौर में रिपोर्ट की गई एफडीआई कंपनियों के कुल पीयूसी का 54.5 प्रतिशत था। उनका आर्थिक क्षेत्र वर्गीकरण, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के एमजीटी-7 फॉर्म (वेब-लिंक: <https://www.mca.gov.in/MinistryV2/companyformsdownload.html>) में रिपोर्ट की गई उनकी प्रमुख कारोबारी गतिविधि पर आधारित है, जो इन आंकड़ों का प्राथमिक स्रोत है।

मॉरीशस, सिंगापुर और यूएसए से प्रत्यक्ष निवेश वाली कंपनियों का प्रतिदर्श कंपनियों में लगभग आधा हिस्सा था; नीदरलैंड, जापान, यूनाइटेड किंगडम और जर्मनी अन्य प्रमुख प्रत्यक्ष निवेश स्रोत थे। कंपनियों का एक बड़ा हिस्सा विनिर्माण तथा सूचना और संचार क्षेत्रों से संबंधित था (विवरण 1)।

मुख्य बातें

- एफडीआई कंपनियों ने 2021-22 में व्यापक सुधार देखा क्योंकि कोविड-19 महामारी का प्रभाव कम हो गया और आर्थिक गतिविधि में तेजी आई; प्रतिदर्श कंपनियों की बिक्री में 29.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई (पिछले वर्ष में 2.0 प्रतिशत की वृद्धि) (विवरण 2 और 7)।
- बिक्री में वृद्धि को पूरा करने के लिए परिचालन व्यय में वृद्धि हुई; कुल व्यय की तुलना में कच्चे माल की लागत का अनुपात बढ़कर 51.1 प्रतिशत (पिछले वर्ष में 47.0 प्रतिशत) हो गया (विवरण 2 और 3)।
- एफडीआई कंपनियों द्वारा, उनके कुल व्यय में 1.35 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ, रॉयल्टी भुगतान, में 2021-22 में 33.4 प्रतिशत (पिछले वर्ष में 19.7 प्रतिशत) की वृद्धि हुई; कुल व्यय में अनुसंधान और विकास की हिस्सेदारी 0.11 प्रतिशत थी (विवरण 4)।

¹ शृंखला में जारी पिछले आंकड़े [22 सितंबर 2022](#) को प्रकाशित किया गए थे। इसमें वर्ष 2019-20 और 2020-21 के लिए 2,059 कंपनियों के वित्त को शामिल किया गया, जो कि रिज़र्व बैंक की भारतीय प्रत्यक्ष निवेश कंपनियों की विदेशी देयताओं और आस्तियों पर गणना के 2020-21 दौर में रिपोर्ट करने वाली एफडीआई कंपनियों की कुल पीयूसी का 39.1 प्रतिशत था।

- प्रतिदर्श कंपनियों के परिचालन लाभ में 2021-22 के दौरान 21.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई; विनिर्माण कंपनियों ने अपने परिचालन लाभ मार्जिन को बनाए रखा, जिसमें सेवा क्षेत्र के लिए मामूली गिरावट आई (विवरण 2 और 10)।
- समग्र स्तर पर, लीवरेज (ऋण की तुलना में इक्विटी अनुपात के संदर्भ में मापा जाता है) में मामूली सुधार हुआ (विवरण 3)।
- प्रतिदर्श कंपनियों ने करीब 36 प्रतिशत नई निधि का इस्तेमाल स्थिर पूंजी निर्माण में किया। गैर-चालू निवेश, इन्वेंट्री और प्राप्य राशियाँ 2021-22 के दौरान धन के अन्य प्रमुख उपयोग थे (विवरण 6 बी)।

विवरणों के व्याख्यात्मक नोट अनुबंध में दिए गए हैं।

प्रेस प्रकाशनी: 2022-2023/1943

अजीत प्रसाद
निदेशक (संचार)